# आज शिव भवनां में बाजे बधईया गोदी में गणेश लिए बैठी गौरी मैया

आज शिव भवनां में बाजे बधईया गोदी में गणेश लिए बैठी गौरी मैया

तर्ज़ : मेरे अंगनां में तुम्हारा क्या काम है।

आज शिव भवनां में बाजे बधय्या ।
गोदी में गणेश लिए, बैठी गौरी मय्या ।।

लम्बोदर एकदन्त चार भुजा धारी ।
नाटा मोटा गणराजा, मूसे की सवारी ।।
हथों में पाश फूल अंकुश धरय्या - आज०

काले भूरे नयनन के बीच सोहे चन्दा ।
सोहे सिन्दूर मुकुट माल बाजूबन्दा ।।
श्वेत तन मन पै पीताम्बर औड़य्या आज०

देवों में अग्र पूज्य, सन्त करें सेवा ।
लड्डुअन का भोग लगे, जम्बूफ़ल मेवा ।।
आज ०

आरती उतारे शम्भु, डमरु बजय्या रत्न सिहांसन पै गणपत बिराजै ।
मंगल भवन में मंगल धुन बाजे ।। -
नाचे 'मधुप' मन था था थय्या - आज०

**कवि** : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33780/title/aaj-shiv-bhawanan-mein-baaje-badhaiyan-godi-mein-ganesh-liye-baithi-gauri-maiya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |